दिनांक 11.06.2020 स्वच्छ एवं सुदर भिलाई

पशुओं के हरा चारा के लिए गौठान में लगाए जाएंगे नेपियर घास, आय बढ़ाने स्व सहायता समूह की महिलाएं करेंगी मत्स्य पालन

भिलाईनगर। भिलाई निगम द्वारा संचालित शहरी गौठान में पशुओं के हरा चारा की उपलब्धता को बनाए रखने नेपियर घास लगाया जाएगा। गौठान को और अधिक विकसित करने अब मछली पालन की योजना पर काम किया जा रहा है , ताकि गौठान को संचालित करने वाली महिला समूह और अधिक आय अर्जित कर सके। गौठान परिसर में ही हरा घास मिलने से पशुओं को और अधिक पौष्टिक चारा मिल सकेगा। गौठान में काम करने वाली महिलाओं द्वारा पशुओं के गोबर और गोमूत्र से जैविक खाद तैयार कर सब्जियों की जैविक खेती की जा रही है जिसकी लगातार मांग भी बढ़ रही है। कोसानाला टोलप्लाजा भिलाई नगर रेलवे स्टेशन के समीप संचालित शहरी गौठान को विकसित करते हुए नेपियर घास और मछली पालन किया जाएगा , पहले गौठान का यह संपूर्ण स्थल पॉलीथिन से भरा हुआ था जहां अब सब्जियों की खेती हो रही है। महापौर श्री देवेन्द्र यादव और निगम आयुक्त श्री ऋतुराज रघुवंशी के पहल पर गौठान को संवारा जा रहा है और लगातार इसके विकास के लिए नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। माननीय मुख्यमंत्री जी छ.ग. शासन के मुख्य प्रोजेक्ट के तहत नरवा , गरवा, घुरवा, बाड़ी योजना के लिए गौठान का विस्तार किया जा रहा है। गौठान में वर्तमान 90 पशुएं है जिनके लिए हरे चारे की उपलब्धता को बनाए रखने के लिए महिला स्व़. सहायता समूह द्वारा नेपियर घास की खेती की जाएगी। जोन 01 जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा ने बताया कि शुरूआती तौर पर आधा एकड़ में बारिश का सीजन शुरू होते ही नेपियर घास लगाई जाएगी, इससे पशुओं के लिए हरे चारे की उपलब्धता बनी रहेगी तथा पौष्टिक आहार भी मिल पाएगा। इसके लिए मैदान को तैयार किया गया है , परिसर में चारा मिलने से बाहर से सूखा चारा खरीदने के व्यय में भी कमी आएगी। *रोहू, कतला एवं तलबिया किस्म की मछली का होगा उत्पादन* गौठान परिसर के पीछे ही करीब दो स्थानों पर जेसीबी के माध्यम छोटे तलाब नुमा गड्ढा तैयार किया जा रहा है जिसमें मछली पालन किया जाएगा। एक दो बारिश के बाद तापमान कम होते ही मछली का बीज डाला जाएगा इससे संबंधित सभी प्रकार की तैयारी समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। मछली पालन का जिम्मा गौठान संचालित करने वाली मां बम्लेश्वरी स्व. सहायता समूह ने लिया है , इससे समूह की महिलाओं को और आर्थिक मजबूती मिलेगी।